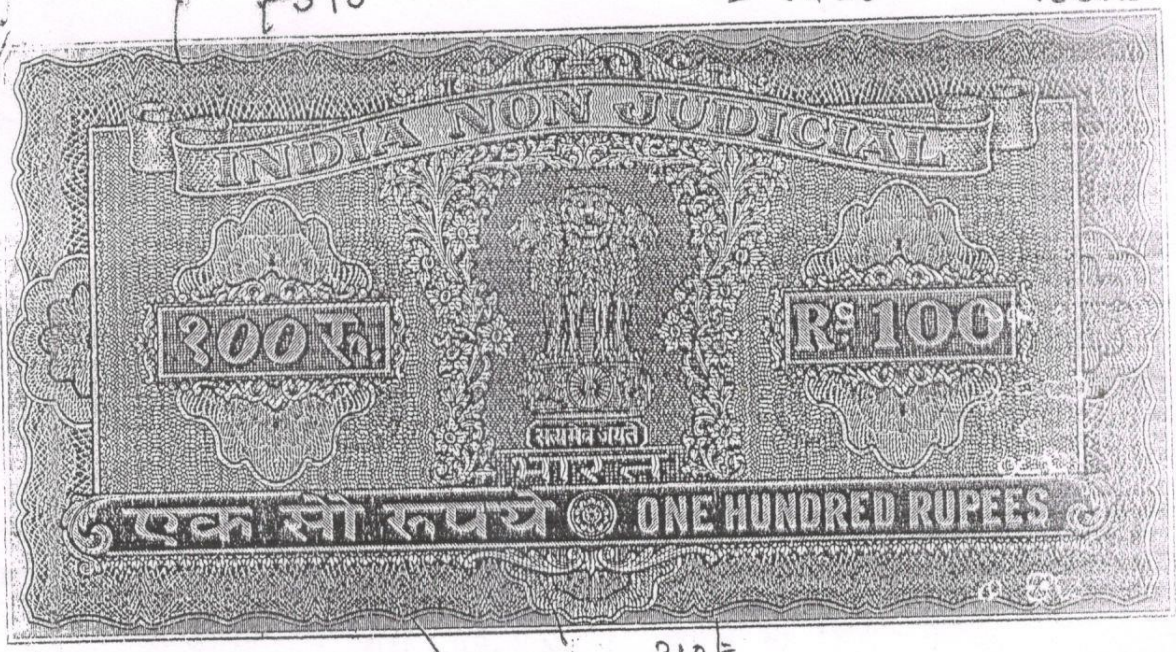


7515

J-6420

100Rs.



Dec-2010
8/11/1957
(Ananta)
Market value is assessed to be Rs. 69400/-
Specific duty of Rs. 48/-
No. 41 & 42 by Bank Code No. 0102-357912
28-8-03 Anandapuri, Mysore

310 =
Gst + fee
50)
33 + 4
60,000/-
A 649/-
E 656 -
P. 10 in AS



Ananta Kumar
27/8/03

27/8/03
For Collector D/S of
29-8-03
1050
27/8/03
29-8-03
8735
29-8-03

मानक मूल्य 60,000 रु. प्रति हाजारा...
L. N. Act 1953

दानपत्र प्रथिता :-

श्री अनन्त नाथ बन्द्यापा थाय पिता मृत उपाधि मोहन बन्द्यापाथाय
जाति हिन्दू, पेशा चाबसरप्रदा, मां 06 नं. ठाकुर रामकृष्ण रोड,
मानदपुरी नर्य, पो. नोनाचिन्दनपुर, थाना टिटागड,
जिला उत्तर 28 परगणा।

3744
8/11/1957
E 74
6564

Additional District Registrar
Mysore, Karnataka
29-8-03

श्री अनन्त कृष्ण बन्द्यापाथाय पिता मृत उपाधि मोहन बन्द्यापाथाय
जाति हिन्दू, पेशा चाकरी, मां 06 नं. ठाकुर रामकृष्ण रोड,
मानदपुरी नर्य, पो. नोनाचिन्दनपुर, थाना टिटागड,
जिला उत्तर 28 परगणा।

29-8-03

M/S. KAJAL SAMADDAR
Proprietor

69404/1
48/1

दिनांक 18.8.2003
 दिनांक नम्बर - 2003
 तारीख - 18.8.2003
 फेडरेशन नाव - Anadi Bendhopadhyay
 ठिकाण - Ti. Hagarh
 रक्कम - 100 RS one hundred only
 क्षेत्र -
 वेला - उत्तर 28 परवर्ष
 खरिद तार -
 मोट कॅम्प खरिद -
 फेडरेशन बारासाठ
 फेडरेशन वी दफात ह्यात

एक फेडरेशन 310/-
 दोसऱ्या 5.
 फेडरेशन फेडरेशन ह्यात

[Handwritten Signature]

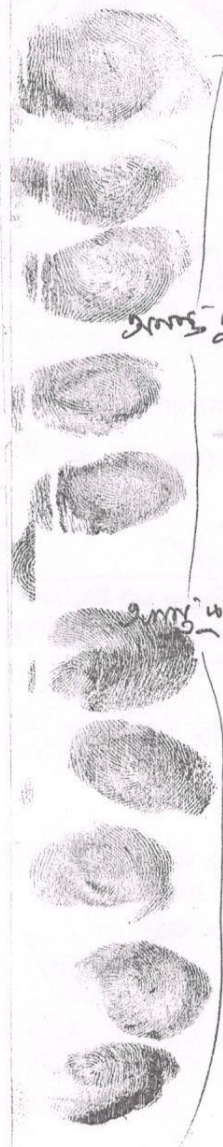
28 JUL 2003

Rs 70000

₹144 500 - 100/-
 ₹145 500 - 100/-
 ₹146 500 - 50/-
 ₹260 500 - 50/-
 ₹209 500 - 10/-
 310/-



I H F F
 Registered at Sambalpur on 27th Aug 03
 of the 1st District
 Office Sambalpur
 In Witness Whereof
[Signature]



Addl District Sub Registrar
 Sambalpur, North 24 Parganas

27 AUG 2003

R H F F
[Signature]

Anandi Bendhopadhyay
 Anandi Bendhopadhyay
 Balf Bhupati Motari
 Bendhopadhyay
 of Anandapur
 PS - Titagarh
 H/O - B...

10/122

P.T.V

M.S. KALAL SAMADAR
[Signature]
 Proprietor

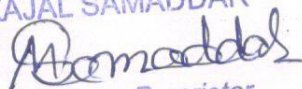


११२११
 मधुसूदन चन्द्र
 मधुसूदन चन्द्र

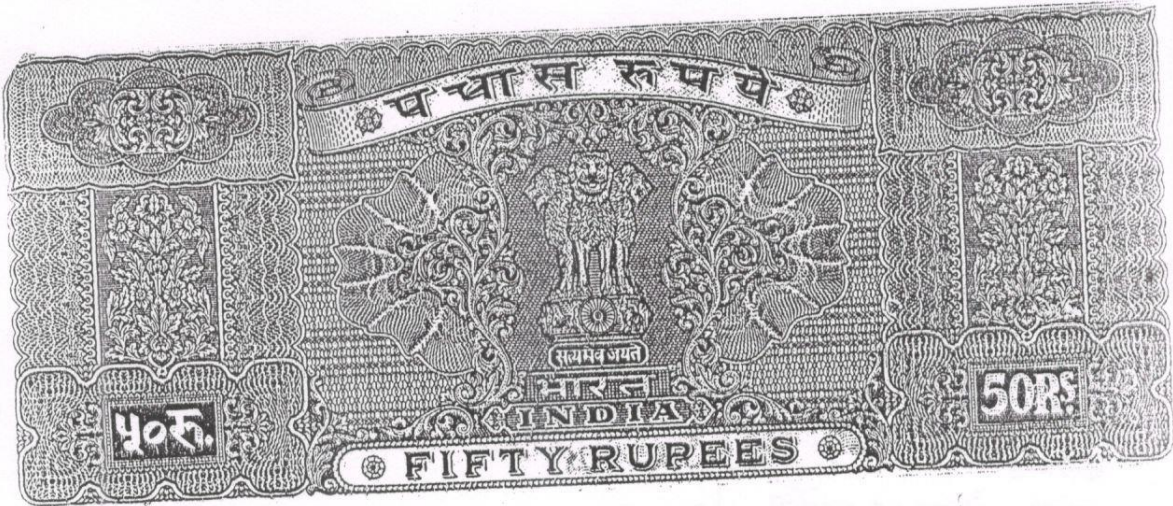
कस्य नुत दानपत्र मिदं कार्ययोगे --

जेला उतुर २४ परगणा खाना टिटा गड , ए डि एस आर अफिस बाराकपुर
 ग्रामीन , बारा कपुर पौरसभार ७ नं ७यार्डेर ४७।२८ ऋकुर रामकुश रोड
 थोडिं डूत-मोजा चन्दनपूर ग्रामे , जे एन नं २ रे सा नं १५ , जोजि
 १८२ नं अ-सर्गड जमिदार श्री अनादि कुमार वसु श्ले हाल पश्चिमवर्द्ध परकार
 पक्षे २४ परगणा जेला कालेकटार वा हादुरेर आधिने जमिदारेर २१४ नं थतियान
 अ वीन ००७ नं थतियान डूत- १८४० नं दागेर १अः २० शुक शालि जमि अन्यान्
 सम्पत्ति सह मोकाम हालपुरेर आर्टिफिकेट आदालतेर ११०९।०७ मनेर ० नं
 नव टि एस मोकाम्दमाल बाकीपडा सम्पत्ति नबावगज निवासि श्री किशोरी मोहन
 हालदार गं कर्तुक प्रजा गण विरुद्ध सम्पत्ति दावीदार हरिचरण वसु जमिदार विगत
 ७।४।०७ ईः तारिखे प्रकाश निलामे निलाम थरिद याहा सां चन्दनपूर निवासि

M/S. KAJAL SAMADDAR


 Proprietor

50 RS.



Handwritten signature

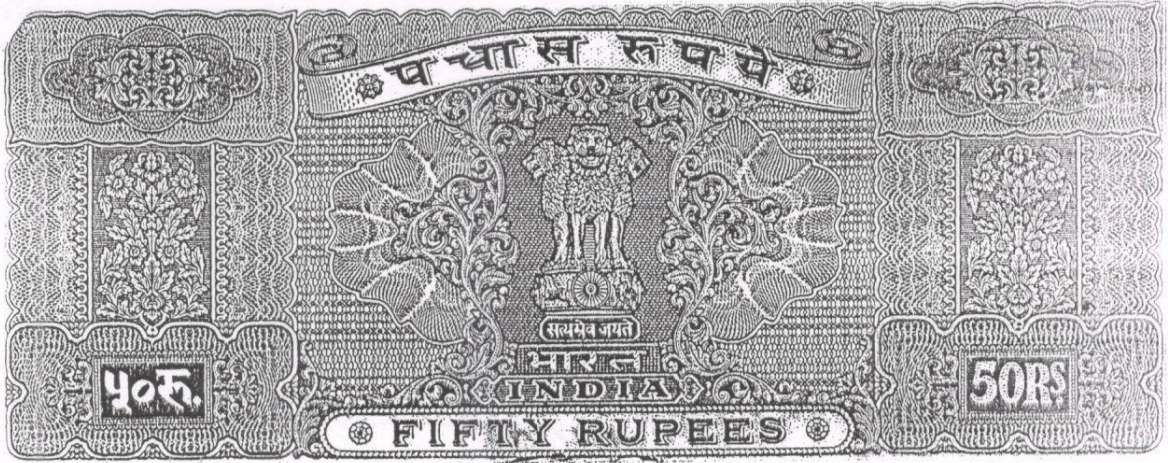
Handwritten signature

11011

মাননীচরণ ঘোষ গাছুউ (পিতা মৃত কৈলাশ চন্দ্র ঘোষ গাছুউ) উপযুক্ত মূল্যে
 নিলাম করিয়া ঐ নিলাম বিক্রয় বিগত ৬।৬।০৮ ইং তারিখে রীতিমত বহাল
 ও সিন্দঘতে বায়নামা প্রাপ্তে আদালত যোগে দখল গ্রহণে যথ্য সুলভাধিকারী চিরস্থায়ী
 খাস দখল পুত্র একক খোল জানাতে মালিক দখলিকার হইয়া তাহাতে নিজ খালে
 সুলভান ও ভোগ দখলিকার থাকাবস্থায় উক্ত ১৮৪০ নং দাগের ১৫: ২০ পত্রে
 জমির মধ্যে কমবেশী ৮ আটকাঠা ৮ আট ছটাক জমি গত ইং ২৫।১১।৫০ তারিখে
 মোকাম বাগেরপুত্র সাবরোজেশ্বরী আফসের ১ নং বাহির ১৫ নং ওল্যামের ২৬৪ হইতে
 ২৬৭ পাতায় লিপিকৃত ৬৪৬২ নং রেজঃ কৃত সাক ফোবা নামুলে আমার পিতাঃ পতী
 মোহন বন্দ্যোপাধ্যায় (পিতা মৃত কৃত বিহারী বন্দ্যোপাধ্যায়) ব্যবহার বিক্রয়
 করিয়া নিঃসৃত হইলেন । অতঃপর তু পুত্রী মোহন বন্দ্যোপাধ্যায় তাহার খরিদা ওমির
 স্থানীয় পৌরসভায় নিজ নাম পত্তন করিয়া এবং উক্ত জমির উপর দ্বিতল গৃহাদি
 নির্মাণ করিয়া ভোগ দখলিকার থাকাবস্থায় বিগত ইং ১৯৮৮ সালের ২০ শে জুলাই
 একথানী উইল বা চরম ইচ্ছাপত্র সম্পাদন করিয়া তাহার পুত্রগণের মধ্যে উপরেউক্ত

M/S. KAJAL SAMADDAR
Kajal Samaddar
 Proprietor

১৫/৮



M/S. KAJAL SAMADDAR

M/S. KAJAL SAMADDAR

11811

সম্পত্তি বন্টন করিয়া দেন। এবং পরবর্তীকালে তুপতী মোহন বন্দ্যোপাধ্যায়
 পরলোকগমন করিলে, উত্ত-উইলপত্রের একজিকিউটর শ্রী অরুণ উদয় বন্দ্যোপাধ্যায়
 মোকাম স্বাভাসাত জেলা জজ আদালতে মিস কেস নম্বর ৩৬৮।১১১৫ মোকদ্দমা
 আনয়ন করিয়া প্রবেশ গ্রহণ করেন। তাৎ পর উত্ত-একজিকিউটর শ্রী অরুণ উদয়
 বন্দ্যোপাধ্যায় উত্ত-উইলের বর্ণনা মোতাবেক নিম্ন তপশীল বর্ণিত সম্পত্তি সহ অন্যান্য
 সম্পত্তি আমি দানপত্র দাতা প্রাপ্ত হই। এ বং পরবর্তীকালে একতল গৃহাদির উপর
 দ্বিতলগত গৃহাদি নির্মাণ করিয়া তাহাতে অন্যের বিনা স্মৃত্ত সংবে নির্বিবাদে নির্মিত
 হুতে মালিক দখলিকার বিদ্যমান আছে।

তুমি এই দানপত্র দলিলের গ্রহীতা আমার মধ্যম ভ্রাতা হইতেছ।
 তুমি আমাকে যথেষ্ট স্নেহ করো ও ভালবাস। আমিও তোমাকে প্রসন্না ভক্তি করিয়া
 আসিতেছি। তোমার উত্ত-রূপ স্নেহ ভালবাসায় আমি যারপরনাই পরম প্রীত ও
 সন্তুষ্ট হইয়া এবং তোমার প্রাপ্ত সম্পত্তিতে ভোগ দখলের সুবিধার্থে, আমার
 উপরোক্ত সম্পত্তির দ্বিতল-নিম্ন-তপশীল বর্ণিত ৩ বর্গফুট পরিমিত গৃহাদি মায়

M/S. KAJAL SAMADDAR
Kajal Samaddar
 Proprietor

M/S. KAJAL SAMADDAR
 ১১৮১১